



कार्यक्रम होते थे। तीतर, बटेर की लड़ाई, पंतगबाजी, पैठे लगाना जिसमें विशिष्ट सामग्रियाँ बिकती। खाने पीने की दुकाने, जानवरों की नुमाइश, ये सभी मनोरंजन के आयोजन होते थे।

5. रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगे तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

रूढ़ियाँ और बंधन समाज को अनुशासित करने के लिए बनते हैं परन्तु जब इन्हीं के द्वारा मनुष्य की भावना आहत होने लगे, बंधन बनने लगे और बोझ लगने लगे तो उसका टूट जाना ही अच्छा होता है। इस कहानी के सन्दर्भ में देखा जाए तो तांतरा-वामीरो का विवाह एक रूढ़ि के कारण नहीं हो सकता था जिसके कारण उन्हें जान देनी पड़ती है। इस तरह की रूढ़ियाँ किसी भला करने की जगह नुकसान करती हैं। समयानुसार समाज में परिवर्तन आते रहते हैं और रूढ़ियाँ आडम्बर प्रतीत होती हैं इसलिए इनका टूट जाना बेहतर होता है।

(ग) निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए -

1. जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा।

उत्तर

ततार्रा-वामीरो को पता लग गया था कि उनका विवाह नहीं हो सकता था। फिर भी वे मिलते रहे। एक बार पशु पर्व में वामीरो ततार्रा से मिलकर रोने लगी। इस पर उसकी माँ ने क्रोध किया और ततार्रा

को अपमानित किया। ततार्रा को भी क्रोध आने लगा। अपने गुस्से को शान्त करने के लिए अपनी तलवार को ज़मीन में गाड़ कर खींचता चला गया। इस कारण धरती दो हिस्सों में बंट गयी।

2. बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।

उत्तर

ततार्रा ने वामीरो से मिलने के लिए कहा और वह शाम के समय उसकी प्रतीक्षा भी कर रहा था। जैसे-जैसे सूरज डूब रहा था, उसको वामीरो के न आने की आशंका होने लगती। जिस प्रकार सूर्य की किरणें समुद्र की लहरों में कभी दिखती तो कभी छिप जाती थी, उसी तरह ततार्रा के मन में भी उम्मीद बनती और डूबने लगती थी।

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित वाक्यों के सामने दिए कोष्ठक में (✓) का चिह्न लगाकर बताएँ कि वह वाक्य किस प्रकार का है -

(क) निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक)

(ख) तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया? (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक)

(ग) वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी। (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक)

(घ) क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम? (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक)

- (ड) वाह! कितना सुंदर नाम है। (प्रश्नवाचक,
विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक)
(च) मैं तुम्हारा रास्ता छोड़ दूँगा। (प्रश्नवाचक,
विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक)

उत्तर

- (क) निकोबारी उसे बेहद प्रेम विधानवाचक
करते थे।
- (ख) तुमने एकाएक इतना प्रश्नवाचक
मधुर गाना अधूरा क्यों
छोड़ दिया?
- (ग) वामीरो की माँ क्रोध में विधानवाचक
उफन उठी।
- (घ) क्या तुम्हें गाँव का नियम प्रश्नवाचक
नहीं मालूम?
- (ड) वाह! कितना सुंदर नाम विस्मयादिबोधक
है।
- (च) मैं तुम्हारा रास्ता छोड़ विधानवाचक
दूँगा।

2. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग
कीजिए -

- (क) सुध-बुध खोना
(ख) बाट जोहना
(ग) खूशी का ठिकाना न रहना
(घ) आग बबूला होना
(ड) आवाज़ उठाना

उत्तर

- (क) सुध-बुध खोना - अचानक बहुत से मेहमानों को देखकर गीता ने अपनी सुधबुध खो दी।
- (ख) बाट जोहना - शाम होते ही माँ सबकी बाट जोहने लगती।
- (ग) खुशी का ठिकाना न रहना - आई. ए. एस. की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर मोहन का खुशी का ठिकाना न रहा।
- (घ) आग बबूला होना - शैतान बच्चों को देखकर अध्यापक आग बबूला हो गए।
- (ङ) आवाज़ उठाना - प्रगतीशील लोगों ने रूढ़ियों के खिलाफ आवाज़ उठाई।

पृष्ठ संख्या: 85

3. नीचे दिए गए शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए -

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
चर्चित	-----	-----
साहसिक	-----	-----
छटपटाहट	-----	-----
शब्दहीन	-----	-----

उत्तर

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
चर्चित	चर्चा	इत
साहसिक	साहस	इक

छटपटाहट छटपट आहट

शब्दहीन शब्द हीन

4. नीचे दिए गए शब्दों में उचित[□] उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए -

----- + आकर्षक = -----

----- + ज्ञात = -----

----- + कोमल = -----

----- + होश = -----

----- + घटना = -----

उत्तर

अन + आकर्षक = अनाकर्षक

अ + ज्ञात = अज्ञात

सु + कोमल = सुकोमल

बे + होश = बेहोश

दुर् + घटना = दुर्घटना

5. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए -

(क) जीवन में पहली बार मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ। (मिश्रवाक्य)

(ख) फिर तेज़ कदमों से चलती हुई तताँरा के सामने आकर ठिठक गई। (संयुक्त वाक्य)

(ग) वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ़ दौड़ी। (सरल वाक्य)

(घ) तताँरा को देखकर वह फूटकर रोने लगी।

***** END *****

